DR. SHANTI JAIN (POSTHUMOUS)

Dr. Shanti Jain was a multi-faceted personality in the fields of folk Literature, folk music and Hindi poetry by dint of her dedication to art and culture.

2. Born on 4th July, 1946, Dr. Jain received her masters degrees in Sanskrit and Hindi and did her Ph.D and D. Litt in same subjects. Quest for knowledge in the field of music motivated her to go for Sangeet Prabhakar in classical vocal successfully.

3. A prolific writer, Dr. Jain had so far published thirty two books to her credit on various subjects during her assignement as a professor and head of the Department of Sanskrit in a prime college of Bihar. She was a well known Radio and T. V artist, famous for her recital of Ramcharit Manas for 6 years on A.I.R.

4. Dr. Jain was the recepient of many Awards and felicitations including Sangeet Natak Academy Award in 2009; Rashtriya Devi Ahilya Samman in 2008; Shankar Samman of K.K.Birla Foundation in 2006 for her book "Lok geeton ke Sandarbh our Ayam " and Lok Bhushan Samman in 2018.

5. Dr. Shanti Jain passed away on 2nd May, 2021.

डॉ. शांति जैन (मरणोपरान्त)

डॉ. शांति जैन लोक साहित्य, लोक संगीत और हिंदी काव्य क्षेत्र की एक बहुआयामी शख्सीयत थी। उन्हें कला और संस्कृति के प्रति अपने समर्पण के लिए भी जाना जाता है।

2. डॉ. जैन का जन्म 4 जुलाई, 1946 को हुआ। उन्होंने संस्कृत और हिंदी में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त की और उन्हीं विषयों में पीएच.डी और डी.लिट. किया। संगीत का ज्ञान प्राप्त करने की अभिलाषा पूरी करने के लिए उन्होंने शास्त्रीय संगीत में संगीत प्रभाकर किया।

3. डॉ. जैन एक प्रखर लेखिका थी, और बिहार के एक प्रमुख महाविद्यालय में संस्कृत प्राध्यापक और विभागाध्यक्ष रहने के दौरान उनकी विभिन्न विषयों पर अब तक बत्तीस पुस्तकें प्रकाशित हुई हैं। वह रेडियो और टेलीविजन की जानी–मानी कलाकार हैं, और आकाशवाणी पर छह वर्ष तक रामचरितमानस के पाठ के लिए उन्हें प्रसिद्धि प्राप्त हुई।

4. डॉ. जैन को संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार, 2009; राष्ट्रीय देवी अहिल्या सम्मान 2008; उनकी पुस्तक "लोक गीतों के संदर्भ और आयाम" के लिए 2006 में के.के. बिरला फाउंडेशन का शंकर सम्मान और 2018 में लोक भूषण सम्मान सहित कई पुरस्कार और सम्मान प्राप्त हुए थे।

5. डॉ. शांति जैन का 2 मई, 2021 में देहावसान हो गया।